रेड ड्वार्फ स्टार की परिक्रमा करता विशाल ग्रह

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

खगोलविदों ने हमारे सौरमंडल से परे [रेड ड्वार्फ स्टार/लाल बौने तारे] **TOI-6894 की** परिक्रमा कर रहे **शनि ग्रह के आकार के एक गैसीय ग्रह की खोज की है।**

- इस ग्रह का अध्ययन मुख्य रूप से **नासा के** [ट्रांज़िटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट (TESS)] और **चिली स्थित यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला** द्वारा संचालित [वेरी लार्ज टेलीस्कोप (VLT)] **के डेटा का उपयोग करके किया गया।**
  - हमारे सौरमंडल से बाहर के ग्रहों को [एक्सोप्लैनेट] कहा जाता है ।
- यह इतना विशालकाय ग्रह को समाहित करने वाला **सबसे छोटा ज्ञात तारा है, जो ग्रह निर्माण** के **पारंपरिक सिद्धांतों को चुनौती देता है।**
- **यह तारा सिंह (Leo) तारामंडल में स्थित है और सूर्य के द्रव्यमान का केवल 21% होने के बावजूद एक शनि-आकार के गैस दानव ग्रह** को धारण करता है। यह खगोलीय व्यवस्था वर्तमान वैज्ञानिक मॉडल्स को चुनौती देती है, जो यह मानते हैं कि **छोटे तारे आमतौर पर केवल पृथ्वी या मंगल जैसे चट्टानी ग्रहों** का निर्माण करते हैं।
- **रेड ड्वार्फ: रेड ड्वार्फ सबसे छोटे तारे** हैं, जिनका द्रव्यमान **सूर्य के 7.5% से 50% के बीच होता है।**
  - उनकी **चमक बहुत कम होती है,** वे सूर्य की चमक का केवल **0.01% से 10% ही उत्सर्जित करते हैं तथा सतह का कम तापमान** उन्हें **लाल या नारंगी चमक देता है।**
  - उनकी **धीमी हाइड्रोजन दहन प्रक्रिया उन्हें खरबों वर्षों** तक चमकने में सक्षम बनाती है, जो सूर्य के **10 अरब वर्ष के जीवनकाल से भी अधिक है।**
  - ये **आकाशगंगा (मिल्की वे)** में सबसे अधिक पाए जाने वाले तारों का प्रकार हैं। सूर्य के सबसे निकटस्थ तारा, **प्रॉक्सिमा सेंटॉरी, भी एक लाल बौना (रेड ड्वार्फ)** ही है।

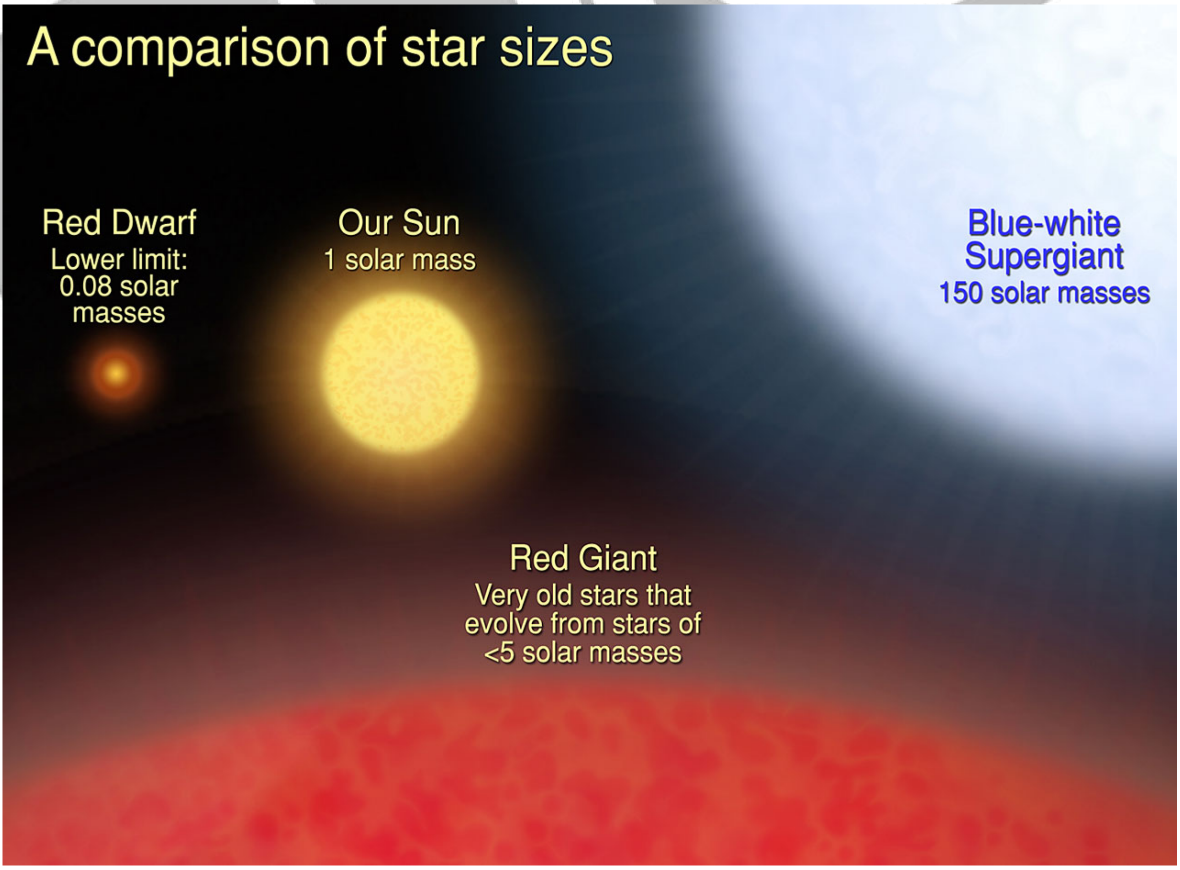

और पढ़ें: [बाइनरी ब्राउन ड्वार्फ्स]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/giant-planet-orbiting-red-dwarf-star